# फर्द अहकाम

हीरालाल वगैरह बनाम [illegible]सिंह वगैरह

धारा [illegible]

नाम न्यायालय

केस संख्या

| क्रम संख्या | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से |
|---|---|---|
| | 16.2.12 | वकील वादीगण ने वाद पत्र घोषणा स्वीदारी बाबत स्थायी निषेधाज्ञा एवं कब्जा दिलवाने का पेश किया। रिपोर्ट सरिश्ते हो चुकी है। अतः दर्ज रजिस्टर हो। प्रतिवादीगणों को जरिये सम्मन तलबी होकर पत्रावली दि० 9.3.12 को पेश हो। |
| | 9.3.12 | पत्रावली पेश हुई। P.O सा. अवकाश पर है अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 13.4.12 को पेश हो। |
| | 13.4.12 | पत्रावली पेश हुई। P.O सा. अवकाश पर है अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 27.4.12 को पेश हो। |
| | 27.4.12 | पत्रावली पेश हुई। प्रतिवादी सं० 10 व 12 की तरफ से वकील श्री बलराज ने V.T. दी है। एवं शेष की तलबी हेतु वकील वादी ने Reg. A/D से करवाने हेतु निवेदन किया है अतः शेष की Reg. A/D से तलबी होकर पत्रावली दि० 11.5.12 को पेश हो। सहायक कलक्टर साँभर लेक |
| | 1.5.12 | पत्रावली पेश हुई। प्रतिवादी सं० 3 की तरफ से वकील श्री शिवराजसिंह राठौड़ ने वकालतनामा पेश किया जो शामिल पत्रावली किया गया। प्रतिवादी सं० 5, 13 व 15 बावजूद सूचना के अनुपस्थित हैं अतः प्रतिवादी सं० 5, 13 व 15 के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। शेष की तलबी एवं जवाब हेतु पत्रावली दि० 12.6.12 को पेश हो एवं पोस्ट मास्टर को अस्पष्ट तामील करने बाबत पत्र जारी हो। सहायक कलक्टर साँभर लेक |
| | -12 | पत्रावली [illegible] कार्य [illegible] आदेशानुसार पत्रावली दि. 6-7-12 को पेश हो। |
| | .6.12 | वकील वादी के प्रा० पत्र पर पत्रावली तलब की गई। वकील वादी ने प्रा० पत्र पेश कर निवेदन किया है कि शेष रहे प्रतिवादियों की तामील अखबार द्वारा करवाना चाहते हैं अतः वकील वादी का प्रा० पत्र स्वीकार किया जाकर आदेश दिये जाते हैं कि किसी मुख्य समाचार पत्र जो दैनिक प्रकाशित होता हो में सम्मन प्रकाशित करवाकर एक प्रति पेश करें। पत्रावली पूर्व निर्धारित दि० 6.7.12 को पेश हो। सहायक क[illegible] साँभ[illegible] |

# फर्द अहकाम

बनाम

न्यायालय

केस संख्या

| क्रम संख्या | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से |
|---|---|---|
| | 6.7.12 | पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान वकील उप० हैं। वकील वादी ने समनन मरतबार में तामील ... एक प्रति पेश की जो शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली वास्ते आईन्दा आदेश हेतु दि० 3.8.12 को पेश हो। सहायक कलक्टर सॉंभर लेक |
| | 3.8.12 | पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान वकील उप० हैं। प्रतिवादी सं० 4, 6 लगा० 12 एवं 14 बावजूद तामील के अनुपस्थित हैं अत: इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई गई। पत्रावली वास्ते जवाब 3. 1 व 2 एवं ... 1 लगा० 3 हेतु दि० 31.8.12 को पेश हो। सहायक कलक्टर सॉंभर लेक |
| | 31.8.12 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 10.9.12 को पेश हो। सहायक कलक्टर सॉंभर लेक |
| | 10.9.12 | पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान वकील उप० हैं। प्रतिवादी सं० 1 व 2 की तरफ से वकील श्री ... चौधरी ने वकालतनामा पेश किया जो शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली वास्ते जवाब ... हेतु दि० 25.9.12 को पेश हो। सहायक कलक्टर सॉंभर लेक |
| | 25.9.12 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील ... है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 15.10.12 पेश हो। जवाब दावा हेतु अन्तिम अवसर दिया गया। सहायक कलक्टर सॉंभर लेक |
| | 15.10.12 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 19.11.12 .... पेश हो। सहायक कलक्टर सॉंभर लेक |
| | 19.11.12 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील ... पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 13.12.12 पेश हो। |
| | 13.12.12 | पत्रावली पेश हुई। अभिभाषकगण कण्डोलेन्स पर है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 25.1.13 ...... पेश हो। |

# फर्द अहकाम

बनाम

| आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
| --- | --- | --- |
| -1-13 | पत्रावली पेश हुई [illegible] पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार [illegible] 14-3-13 को पेश हो।<br>प्रतिवादी सं० 14 की तरफ से वकील श्री विरदीचन्द शर्मा ने वकालतनामा एवं प्रा० पत्र O 9 R-7 व 151 CPC का पेश किया, नकल दी जाकर शामिल पत्रावली किया गया। | |
| 14-3-13 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित [illegible] पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 4-4-13 को पेश हो।<br>सहायक कलक्टर साँभर लेक | |
| 4.4.13 | पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान वकील उप० है। वकील वादी ने प्रा० पत्र O 9 R-7 व 151 को स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं की है अतः O 9 R-7 व 151 CPC का स्वीकार किया गया। जवाब दावा हेतु cost 100/- पर एक और अन्तिम अवसर दिया गया। पत्रावली दि० 9.5.13 को पेश हो। | |
| 9/5/13 | पत्रावली पेश हुई [illegible] पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार [illegible] 13.6.13 को पेश हो। | |
| 13-6-13 | पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान वकील उप० है। गार्वी टावर सिंह व रामनारायण की तरफ से वकील जगदत्त चौधरी ने वकालतनामा, प्रा० पत्र O 1 R-10 व 151 व दस्तावेज सूची अनुसार पेश किया, नकल दी जाकर शामिल पत्रावली किये गये। पत्रावली वास्ते जवाब प्रा० पत्र हेतु दि० 11-7-13 को पेश हो।<br>सहायक कलक्टर साँभर लेक | |
| 11.7.13 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. अवकाश पर है अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 5-8-13 को पेश हो। | |
| 5.8.13 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 9-9-13 पेश हो।<br>सहायक कलक्टर साँभर लेक | |
| 9/9/13 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान [illegible] है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 9-10-13 पेश हो।<br>सहायक कलक्टर साँभर लेक | |

# फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

| क्रम संख्या | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से |
|---|---|---|
| | 9-10-13 | पत्रावली पेश हुई। ~~वकील वादी उपस्थित है~~ पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 14-11-13 पेश हो। P0 मा० का स्थानान्तरण हो चुका |
| | 14.11.13 | पत्रावली पेश हुई। ~~वकील वादी उपस्थित है~~ पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 24.12.13 पेश हो। सहायक कलक्टर |
| | 24/12/13 | पत्रावली पेश हुई। ~~वकील वादी उपस्थित है~~ लेक... पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 28/1/14 पेश हो। जवाब प्रा.. पेश |
| | 28/1/14 | पत्रावली पेश हुई। ~~वकील वादी उपस्थित है~~ पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 4/3/14 पेश हो। जवाब प्रा.. प्रेषण |
| | 4/3/14 | पत्रावली पेश हुई। ~~वकील वादी उपस्थित है~~ पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 15/4/14 पेश हो। |
| | 15/4/14 | P0 सा० अवकाश पर रहे। पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 20.5.14 पेश हो। |
| | 20/5/14 | पत्रावली पेश हुई। ~~वकील वादी उपस्थित है~~ पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 16/6/14 पेश हो। |
| | 16/6/14 | पत्रावली पेश हुई। ~~वकील वादी उपस्थित है~~ पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 15/7/14 पेश हो। |
| | 15/7/14 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 19.8.14 को पेश हो। |
| | 19/8/14 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 23.9.14 को पेश हो। प्रार्थी की ओर से 0 R 10 ... पेश किया गया। |
| | 23/9/14 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 28/10/14 पेश हो। ... |

# फर्द अहकाम

बनाम

| दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
|---|---|---|
| 28/11/14 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 5-12-14 को पेश हो। | |
| 5/12/14 | P.O. सा. अवकाश पर है। पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील [illegible] पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 13.1.15 पेश हो। | |
| 13/1/15 | पत्रावली पेश हुई P.O. सा. चुनाव / अन्य कार्य मे व्यस्त है। चुनाव / अन्य कार्य से [illegible] हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 23/2/15 को पेश हो। | |
| 23/2/15 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. अन्य कार्य में व्यस्त है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 15-4-15 को पेश हो। | |
| 15/4/15 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 18.5.15 को पेश हो। | |
| 18/5/15 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 6/7/15 को पेश हो। | |
| 6/7/15 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 6/8/15 को पेश हो। | |
| 6/8/15 | पत्रावली पेश हुई P.O. सा. चुनाव / अन्य कार्य मे व्यस्त है। चुनाव / अन्य कार्य [illegible] हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 14/9/15 को पेश हो। | |
| 14/9/15 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. अवकाश पर है अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 1/10/15 को पेश हो। | |
| 1/10/15 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 2/11/15 को पेश हो। | |
| 2/11/15 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 7/12/15 पेश हो। | |
| 7/12/15 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. अवकाश पर है अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 11-1-16 को पेश हो। | |

# फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

| क्रम संख्या | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से |
|---|---|---|
| | 11-1-16 | पत्रावली पेश हुई। अभिभाषकगण न्यायिक कार्य से विरत हैं। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 12-1-16 पेश हो। |
| | 12-1-16 | पत्रावली पेश हुई। [illegible] पत्रावली दि. 11-2-16 पेश हो। |
| | 11-2-16 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 17-3-16 को पेश हो। |
| | 17-3-16 | पत्रावली पेश हुई [illegible] उपस्थित हैं। पक्षकारान [illegible] आदेशानुसार पत्रावली दि. 21-4-16 पेश हो। |
| | 21-4-16 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित हैं। पक्षकारान वकील [illegible] पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 21.6.16 पेश हो। |
| | 21/6/16 | पत्रावली पेश हुई [illegible] हड़ताल हुई है। अतः पूर्व आदेशानुसार [illegible] 29/8/16 को पेश हो। |
| | 29-8-16 | वकील पक्षकारान उप० / वकील वादी ने प्र०प० [illegible] के जवाब हेतु समय चाहा है। पत्रावली वास्ते जवाब दि० 13/10/16 को पेश हो। |
| | 13/10/16 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित हैं। पक्षकारान वकील [illegible] है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 8/11/16 पेश हो। |
| | 8/11/16 | पत्रावली पेश हुई। P.O. अवकाश पर है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 26/12/16 को पेश हो। |
| | 26/12/16 | पत्रावली पेश हुई। P.O. अवकाश पर है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 24/1/17 को पेश हो। |

# फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

| क्रम संख्या | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रुप से | विशेष विवरण |
|---|---|---|---|
| | 25/1/17 | पत्रावली पेश हुई । वकील वादी उपस्थित है । पक्षकारान [illegible] है । पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 2-3-17 पेश हो । | |
| | 2/3/17 | [illegible] सा. दौरे पर पत्रावली [illegible] आदेशानुसार पधारे [illegible] पत्रावली [illegible] 18-4-17 [illegible] हो । | |
| | 18/4/17 | वकील पक्षकारान [illegible] वादी ने प्रा. पत्र 01 R10 का जवाब पेश नहीं कर बहस करना चाहा जिस पर वकील पक्षकारान की बहस सुनी गई। पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली का अवलोकन करने के पश्चात प्रार्थना प्रा. पत्र 01 R10 स्वीकार [illegible] किया जाता। पत्रावली वास्ते [illegible] दि. 2/5/17 को पेश हो। | |
| | 2/5/17 | पत्रावली [illegible] /वादी/पक्षकारान उपस्थि[illegible] आपके द्वार 2017 [illegible] केम्प [illegible] दिनांक 15/6/17 को पेश हो P.O. [illegible] पर है | |
| | 15/6/17 | पत्राव[illegible] अभियान कैम्प [illegible] हुई । [illegible] उपस्थित है [illegible] पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 10/8/17 को पेश हो | |
| | 10/8/17 | पत्रावली पेश हुई । P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है । अत. पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 14/9/17 को पेश हो | |
| | 14/9/17 | पत्रावली पेश हुई । P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है । अत. पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 30/10/17 को पेश हो | |

# फर्द अहकाम

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

| क्रम संख्या | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से |
|---|---|---|
| | 31/10/17 | वकील पक्षकारान द्वारा [illegible] पेश किया गया [illegible] जवाब हेतु दिनांक 5/12/17 को पेश हो। |
| | 5/12/17 | पत्रावली पेश हुई। [illegible] पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 2/1/18 ...... पेश हो। |
| | 2/1/18 | पत्रावली पेश हुई। [illegible] उपस्थित है। पक्षकारान वकील [illegible] है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 7/2/18 पेश हो। |
| | 7/2/18 | पत्रावली पेश हुई। वकील [illegible] है। पक्षकारान वकील [illegible] है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 27/3/18 पेश हो। |
| | 27/3/18 | पत्रावली पेश [illegible] है। अत पूर्व [illegible] 25/4/18 [illegible] को पेश हो। |
| | 25/4/18 | पत्रावली पेश हुई। वकील [illegible] उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 14/6/18 पेश हो। |
| | 14/6/17 | [illegible] आज्ञा [illegible] पर पेश हुई। प्रतिवादी उपस्थित/अनुपस्थित है। पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 30/7/18. |
| | 30/7/18 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 30/8/18 पेश हो। |
| | 30/8/18 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा नजरी स्थगित रखा है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 8/10/18 को पेश हो। |

# फर्द अहकाम

**बनाम**

यायालय

ख्या

| दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
|---|---|---|
| 8/11/18 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा० चुनाव, अन्य कार्य में व्यस्त ... चुनाव/ अन्य कार्य से दौरे पर बाहर हुए हैं। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 19/11/18 को पेश हो। | |
| 19/11/18 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा० [illegible], अन्य कार्य में व्यस्त ... अन्य कार्य से दौरे पर बाहर हुए हैं। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 7/1/19 को पेश हो। | |
| 07/01/19 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 1-9/02/19 पेश हो। जवाब हेतु अन्तिम अवसर दिया जाता है। | |
| 17/2/19 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 25/3/19 को पेश हो। PO [illegible] | |
| 25/3/19 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा० चुनाव, अन्य कार्य में व्यस्त हैं/ अन्य कार्य से दौरे पर बाहर हुए हैं। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 29/4/19 को पेश हो। | |
| 29/4/19 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा० चुनाव, अन्य कार्य में व्यस्त हैं/ अन्य कार्य से दौरे पर बाहर हुए हैं। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 11/6/19 को पेश हो। | |
| 11/6/19 | पत्रावली पेश हुई। पत्रावली में जवाब [illegible] हेतु दि. 22/7/19 को पेश हो। | |
| 03/19 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा० चुनाव, अन्य कार्य में व्यस्त हैं। चुनाव/ अन्य कार्य से दौरे पर बाहर हुए हैं। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 29/8/19 को पेश हो। | |
| 8/19 | पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उप.। प्रतिवादीगण ने जवाब हेतु अवसर चाहा। अवसर दिया जाता है। पत्रावली वास्ते जवाब हेतु दि. 20/9/19 को पेश हो। PO सा. अन्य कार्य में व्यस्त हैं। | |
| 9/19 | का स्थानान्तरण हो गया है। पत्रावली पेश हुई। P.O. [illegible] अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 9/11/19 को पेश हो। | |

...न्द अहकाम

बनाम

...यालय

...ख्या

| ...या | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से |
|---|---|---|
| | 4/11/19 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाष... द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 9-12-19 को पेश हो। P.O. साहब अन्य कार्य में व्यस्त हैं। |
| | 9/12/19 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील... पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 24.1.20 पेश हो। |
| | 24/1/20 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील हाजिर है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 5/3/20 पेश हो। |
| | 5/3/20 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील... पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 26/3/20 पेश हो। |
| | 26/3/20 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 11/5/20 को पेश हो। |
| | 11/5/20 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 18/6/20 को पेश हो। |
| | 18/6/20 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 16/7/20 को पेश हो। |
| | 16/7/20 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 17/8/20 को पेश हो। |
| | 17/8/20 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 22/9/20 पेश हो। |
| | 22/9/20 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अत: पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 17/11/20 को पेश हो। |
| | 18/11/20 | दिनांक 17-11-20 का राजकीय अवकाश होने पर आज पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 17-11-20 पेश हो। |

# फर्द अहकाम

न्यायालय

छत्तीसगढ़ राज्य बनाम [illegible]

संख्या / वर्ष 24/2012 : [illegible] / 2012

| दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
|---|---|---|
| 11/1/21 | पत्रावली पेश हुई। आज अभिभाषक संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 18.2.21 को पेश हो। | |
| 18/2/21 | पत्रावली पेश हुई। PO सा. चुनाव/अन्य कार्य में व्यस्त ... चुनाव/अन्य कार्य से दौरे पर पधारे हुए हैं। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 2.3.21 को पेश हो। | |
| 02/3/21 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 12/4/21 पेश हो। (जवाब हेतु) | |
| 12/4/21 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 21/5/21 पेश हो। | |
| 21/5/21 | पत्रावली पेश हुई। PO सा. चुनाव/अन्य कार्य में व्यस्त ... चुनाव/अन्य कार्य से दौरे पर पधारे हुए हैं। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 18/6/21 को पेश हो। | |
| 18/6/21 | पत्रावली पेश हुई। ~~P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है।~~ अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 16/7/21 को पेश हो। | |
| 16/7/21 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील ... है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 17/8/21 पेश हो। | |
| 17/8/21 | पत्रावली पेश हुई। PO सा. चुनाव/अन्य कार्य में व्यस्त है। चुनाव/अन्य कार्य से दौरे पर पधारे हुए हैं। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 5.10.21 को पेश हो। | |
| 08/10/21 | पत्रावली 'प्रशासन गांवों के संग अभियान 2021' शिविर: मामलों का त्वरित निराकरण हेतु पेश हुई। सभी पक्षकारान की उपस्थिति के अभाव में आपसी राजीनामा व समझाइश के आधार पर निराकरण संभव नहीं है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार वास्ते जवाब दिनांक 28-12-2021 को पेश हो। | |
| 28/12/21 | का स्थानान्तरण हो गया। पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. ~~दौरे पर पधारे हुए है।~~ अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 3.3.22 को पेश हो। | |

# फर्द अहकाम

न्यायालय

वसीयत बनाम कल्याण

मुकदमा संख्या/वर्ष ३।०४: /20

| क्र०स० | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से |
|---|---|---|
| | 3/3/22 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। (न्याय हित में अंतिम अवसर अन्यथा दंड सहित 500) पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 26-4.22 पेश हो। |
| | 26/4/22 | पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय अवकाश/दौरे पर पधारे हैं। अतः पत्रावली अब पूर्व आदेशानुसार दिनांक 13/6/22 को पेश हो। श्रीमान जी की ओर से का स्थानांतरण आदेश हो चुका है। |
| | 13/6/22 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 2/8/22 को पेश हो। |
| | 2/8/22 | पत्रावली पेश हुई। P.O. सा. दौरे पर पधारे हुए है। अतः पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 20/9/22 को पेश हो। |
| | 20/9/22 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 27/10/22 पेश हो। प्रतिवादीगण को जवाब पेश करने हेतु अनेक अवसर देने के बावजूद भी जवाब पेश नहीं करने पर जवाब बन्द किया जाता है। |
| | 27/10/22 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 5/12/22 पेश हो। |
| | 5/12/22 | पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी महोदय अवकाश/दौरे पर पधारे हैं। अतः पत्रावली अब पूर्व आदेशानुसार दिनांक 09/1/23 को पेश हो। |
| | 09/1/23 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पी. ओ. सा. अवकाश पर पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 07/2/23 पेश हो। |
| | 7/2/23 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 28/2/23 पेश हो। विवाद्यक अंकित अथवा न्याय हित के लिये बाद |

# फर्द अहकाम

[handwritten] बनाम [handwritten] कल्याण सिंह

विशेष संख्या /वर्ष [handwritten] : 24/12 /20

| दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रुप से | विशेष विवरण |
|---|---|---|
| 28/2/23 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। ~~पक्षकारान वकील उप है।~~ पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 21/3/23 पेश हो। बार द्वारा कार्य स्थगन किया गया है। | |
| 21/3/23 | पत्रावली पेश हुई। ~~[illegible] है।~~ (बार द्वारा स्थगन) ~~[illegible] उप है।~~ पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 25/4/23 पेश हो। | |
| 25/4/23 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि. 19/5/23 पेश हो। | |
| 19/05/23 | पत्रावली " [illegible] गाँवों के संग अभियान–2023" के तहत कैम्प [handwritten] पर पेश हुई। वादी [illegible] उपस्थित/अनुपस्थित है। पत्राव[illegible] आपसी सहमति व राजीनामें से संभव [illegible] पत्रावली पूर्व आदेशानुसार दिनांक 12/07/23 को पेश हो। ~~[illegible]~~ शिविर प्रभारी [illegible] कलक्टर, सांभर लेक | |
| 12/7/23 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 31/7/23 पेश हो। | |
| 31/7/23 | पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी [illegible] अवकाश / ~~दौरे पर~~ [illegible] है। [illegible] पत्रावली अब पूर्व आदेशानुसार दिनांक 12/9/23 को पेश हो। | |
| 12/9/23 | पत्रावली पेश हुई। व[illegible] उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दि 31/10/23 पेश हो। श्रीमान जिला कलक्टर महो. जयपुर के आदेशानुसार मूल पत्रावली नव सृजित न्यायालय उपखण्ड अधिकारी ~~[illegible]~~ कि[illegible] को प्रेषित की / जाती है। | |

| क्र. सं. | दिनांक आज्ञा या कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से |
|---|---|---|
| | 31/10/23 | न्यायालय सहायक ... लोक से हस्तान्तरित होकर पत्रावली आज ... पक्षकारान उपस्थित / अनुपस्थित गत आदेशिका ... पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आगामी दिनांक 4/12/23 को पेश हो। |
| | 4/12/23 | पत्रावली पेश हुई । वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 2/1/24 को पेश है। |
| | 2/1/24 | पत्रावली पेश हुई । वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील ... पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 22/3/24 को पेश है। |
| | 22/3/24 | पत्रावली पेश ... पक्षकारान वादी व प्रतिवादी की ओर से उनके ... पीठासीन अधिकारी अन्य राज्य कार्य ... पत्रावली पूर्व आदेश अनुसार आगामी दि. 22/5/24 को पेश हो। |
| | 22/5/24 | पत्रावली पेश हुई । वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 10/7/24 को पेश है। |
| | 10/7/24 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण प्रतिवादीगण उपस्थित / अनुपस्थित पत्रावली गत आदेशानुसार दिनांक 28/8/24 को पेश हो। |
| | 28/8/24 | पत्रावली पेश हुई । वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 11/9/24 को पेश है। |
| | 11/9/24 | पत्रावली पेश हुई । वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 13/11/24 को पेश है। Po [illegible] |

# फर्द अहकाम

छितर लाल बनाम कल्याण सिंह

...ख्या /वर्ष : 24/R2 /20

| ...नांक आज्ञा कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रूप से | विशेष विवरण |
| --- | --- | --- |
| 13/11/24 | पत्रावली पेश हुई । वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 20/11/24 को पेश है। | |
| 20/11/24 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण प्रतिवादीगण उपस्थित। एस.डी.ओ. साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। भ्रमण पर है। मिसल गत आदेशानुसार दिनांक 4/12/24 को पेश हो। | |
| 4/12/24 | पत्रावली पेश हुई। कोई पक्ष उपस्थित नहीं है आज न्यायालय में पक्षों की उपस्थिति के लिए तीन बार आवाज लगवाई गई फिर भी कोई उपस्थित नहीं हुआ अतः पत्रावली O-9, R-3 के तहत अदम पैरवी अदम हाजिरी में खारिज फरमायी जाती है अतः पत्रावली फैसल शुमार होकर दफ्तर दाखिल हो दर्ज रजिस्टर हो। | |

उपखण्ड अधिकारी
किशनगढ़ रेनवाल

# न्यायालय सहायक जिलाधिश महोदय सॉभरलेक

वाद स0 ----/2012

अर्जीदावा हस्ब ऑ0 7 रू0 1 जा0 दी0

1-छीगनलाल पुत्र जीवण आयु- 60 साल जाति- बलाई, नि0-लालासर तह0-
फूलेरा, जिला-जयपुर राज0
2-धापू पुत्री जीवण आयु- 62 साल जाति- बलाई नि0-लालासर हाल नि0-
गोविन्दगढ तह0- गोविन्दगढ़, जिला-जयपुर राज0
3-बोदी पुत्री जीवण आयु- 58 साल जाति- बलाई नि0-लालासर हाल नि0-
आभास तह0- श्रीमाधोपुर, जिला-सीकर राज0
4-प्रभाती पत्नी नौलाराम आयु- 58 साल
5-विजेन्द्र पुत्र नौलाराम आयु- 25 साल
6-दिलीप पुत्र नौलाराम आयु- 31 साल
समस्त जाती- बलाई नि0-लालासर तह0- फूलेरा, जिला-जयपुर राज0
7-मीना पुत्री नौलाराम पत्नी मदनलाल आयु- 22 साल नि0- लालासर हाल
नि0- मूण्डगसोई तह0- नावा जि0- नागौर राज0
8-कृष्णा पुत्री नौलाराम पत्नी प्रहलाद आयु- 36 साल नि0- लालासर हाल
नि0- हाथलोदा तह0- गोविन्दगढ़ जि0- जयपुर राज0
9-सीता पुत्री नौलाराम पत्नी गिरधारी आयु-40 साल नि0- लालासर हाल
नि0- रामगढ़ तह0- दातारामगढ़ जि0- सीकर राज0

-------वादीगण

बनाम

1-कल्याणसिंह पुत्र मोहनसिंह आयु- 58 साल
2-गोपालसिंह पुत्र मोहनसिंह आयु- 35 साल
जाती- दरोगा नि0- दादीया रामपुरा तह0- श्रीमाधोपुर जिला- सीकर राज0
3-चेतनसिंह पुत्र भोपालसिंह आयु- 55 साल
4-मालसिंह पुत्र भोपालसिंह आयु- 44 साल
5-विजयसिंह पुत्र भोपालसिंह आयु- 42 साल
जाती- राजपूत नि0- ग्राम जूनस्या तह0- फुलेरा जिला- जयपुर राज0
6-राजेन्द्रसिंह आयु- 58 साल
7-गजेन्द्रसिंह आयु- 55 साल
8-महेन्द्रसिंह आयु- 50 साल
9-सुरेन्द्रसिंह आयु- 48 साल
10-विरेन्द्रसिंह आयु- 43 साल
पुत्रान जयसिंह जाती- राजपूत नि0- ग्राम जूनस्या तह0- फुलेरा जिला-
जयपुर राज0

11—सत्यदेवसिंह आयु— 50 साल
12—हिम्मतसिंह आयु— 45 साल
13—रविदर्शनसिंह आयु— 42 साल
पुत्रान वीरबहादूरसिंह जाती— राजपूत नि0— ग्राम जूनस्या तह0— फुलेरा जिला— जयपुर राज0
14—मालीराम पुत्र गंगल्या उर्फ गंगाराम जाती— बलाई नि0—ग्राम लालासर तह0— फुलेरा जिला— जयपुर राज0
15—तहसीलदार तहसील फुलेरा मुकाम सॉभरलेक राज0

——————प्रतिवादीगण

वाद बाबत घोषणा खातेदारी, तकासमा, दिलवाये जाने कब्जा, व स्थायी निषे0 अ0 धारा 53, 88, 91, 188 रा0 टी0 एक्ट 1955

श्रीमान्‌जी,

वादीगण की और से वाद पत्र निम्न प्रकार सादर प्रस्तूत है :—

1— यहकि वादीगण स्वर्गीय जीवण पुत्र पेमा उर्फ पूरा के वंशज है सीजरा खानदान निम्न प्रकार है :—

जीवण पुत्र पेमा उर्फ पूरा
गुलाब देवी (पत्नी) फौत

- बोदी(पुत्री) वा0स0—3
- धापू(पुत्री) वा0स0—2
- प्रभाती(पुत्री) फौत
- छीगनलाल (पुत्र) वा0स0—1
- नौलाराम (पुत्र) फौत
  - मीना(पुत्री) वा0स0—7
  - कृष्णा(पुत्री) वा0स0—8
  - सीता(पुत्री) वा0स0—9
  - प्रभाती(पत्नी) वा0स0—4
  - दिलीप(पुत्र) वा0स0—6
  - विजेन्द्र(पुत्र) वा0स0—5

2— यहकि वादीगण स0 1 ल0 3 के पिता, वादीगण स0 4 के ससूर व वादीगण स0 5 ल0 9 के दादा जीवण पुत्र पेमा उर्फ पूरा के कब्जे काश्त व खातेदारी की आराजी ख0 न0 524 रकबा 29 बीघा 07 बिस्वा बारानी 2 हिस्सा 1/2 वाकै ग्राम जूनस्या तहसील फुलेरा जिला जयपुर राजस्थान मे स्थित है जिस पर वह परचा सेटलमेन्ट के पूर्व से ही काबिज काश्त चला आ रहा था तथा 1/2 हिस्से पर प्रतिवादी स0 14 के पिता गंगल्या उर्फ गंगाराम का कब्जा काश्त था इसलिए परचा खातदारी 1/2 हिस्से की जीवण पुत्र पेमा व 1/2 हिस्से की प्रतिवादी स0 14 के पिता गंगल्या उर्फ गंगाराम के नाम जारी की गई ! सम्वत् 2011 से 2029 का जारी परचा सेटलमेन्ट के कॉलम न0 5 मे जीवण वल्द पेमा हि 1/2 गंगलिया मन्सा

1/2 कौम बलाई सा0 देह के नाम का इन्द्राज किया गया है ! जीवण के पिता को पेमा व पूरा दोनो नामो से जाना व पहचाना जाता था!

3— यहकि वादीगण के बुजुर्ग जीवण पुत्र पेमा व प्रतिवादी सा0 14 के पिता गंगल्या की जाति बलाई है इसलिए परचा खातेदारी मे दोनो की जाति सयुक्त रूप से 'बलाई' दर्ज की गई थी ! दोनो ही दर्ज खातेदारी अनुसार 1/2 — 1/2 हिस्से पर परस्परिक सहमती से काबिज काश्त चले आ रहे थे ! जब तक जीवण पुत्र पेमा जीवीत था विवादीत आराजी पर काबिज काश्त था एंव लगान अदा कर रहा था दिंनाक 21.01.1971 को उसकी मृत्यु के पश्चात से वादीगण, स्व0 नौलाराम पुत्र जीवण व गुलाब पत्नी जीवण विवादीत आराजी पर काबिज काश्त चले आ रहे थे ! नौलाराम एंव गुलाब पत्नी जीवण की मृत्यु हो चूकी है ! जिनकी मृत्यु के पश्चात से वादीगण ही विवादीत आराजी पर काबिज काश्त चले आ रहे थे व लगान अदा कर रहे थे !

4— यह कि विवादीत आराजी से प्रतिवादी स0 1 ल0 13 का कोई सम्बन्ध सरोकार नही है ! प्रतिवादी स0 1 व 2 जाति से दरोगा है एंव प्रतिवादी स0 3 ल0 13 जाति से राजपूत है जो स्वर्ण जाति के सदस्य है जबकि वादीगण एंव भृतक जीवण पुत्र पेमा एंव प्रतिवादी स0 14 जाति से बलाई है जो अनुसूचित जाति के सदस्य है !

5— यहकि प्रतिवादी स0 3 ल0 5 के पिता भोपालसिंह एंव प्रतिवादी स0 6 ल0 13 स्वर्ण जाति के सदस्य है एंव धन बल से सम्पन्न राजनीतिक पहूच वाले व्यक्ति है जबकि वादीगण साधनहीन गरीब तबके के कमजोर अनुसूचित जाति के व्यक्ति है ! मृतक भोपालसिंह व प्रतिवादी स0 6 ल0 13 ने वादीगण की गरीबी व कमजोरी का नाजायज फायदा उठाते हूए अरसा करीब 10 साल पूर्व वर्ष 2002 मे जबरन विवादित आराजी पर अतिक्रमण कर कब्जा कर लिया ! प्रतिवादीगण की रसूखात के चलते वादीगण की कोई सुनवाई नही हूई लेकिन राजस्थान सरकार के वर्ष 2004 के ऑपरेशन सम्बल कार्यक्रम के तहत अनुसूचित जाति एंव जन जाति के व्यक्तियो की भूमि पर स्वर्ण जाति के व्यक्तियो द्वारा जबरन किये गये अतिक्रमण के सम्बन्ध मे तहसील फुलेरा क्षैत्र के समस्त पटवारीयो से सर्वे करवाया गया ! सर्वे के दौरान पटवार हल्का लालासर ने विवादीत आराजी ख0 न0 524 रकबा 29 बीघा 07 बिस्वा बारानी 2 वाकै ग्राम जूनस्या तहसील फुलेरा जिला जयपुर राज0 पर प्रतिवादी स0 3 ल0 5 के पिता स्व0 भोपालसिंह व प्रतिवादी स0 6 ल0 13 का अवैध कब्जा मानते हूए अतिक्रमण की रिपोर्ट प्रतिवादी स0 15 के यहा पेश की !

6— यहकि प्रतिवादी स0 15 ने प्रतिवादी स0 3 ल0 13 के विरूद्व राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 183(बी) के तहत प्रकरण स0 28/04 अनुवानी सरकार बनाम भोपालसिंह वगै0 दर्ज कर नोटिस जारी किये गैरसायलान की ओर से बाद प्रस्तूत होने जवाब एंव बाद सुनवाई प्रतिवादी स0 15 ने अपने निर्णय दिंनाक 09.02.05 द्वारा प्रतिवादी स0 3 ल0 13 को अतिक्रमी मानते हूए विवादित आराजी से बेदखल करने के आदेश दिये !

उक्त निर्णय अन्तिम है जिसकी आज तक प्रतिवादीगण द्वारा कोई अपील नही की गई !

– यहकि प्रतिवादीगण की रसूखात के चलते उक्त आदेश की आज तक कोई पालना नही हो पाई जिसका नाजायज फायदा उठाते हुए प्रतिवादीगण स0 1 ता0 14 ने आपसी साज कर अनुसूचित जाति के व्यक्ति की जमीन को हड़पने की नियत से प्रतिवादी स0 1 व 2 की ओर से झुठे तथ्यो पर एक वाद अनुवानी कल्याणसिंह वगै0 बनाम राज0 सरकार वाद स0 151/2010 मान्य न्यायालय मे पेश कर इस्तदुआ चाही कि विवादीत आराजी मे प्रतिवादी स0 1 व 2 के नाना जीवन पुत्र पेमा 1/2 हिस्से का खातेदार काश्तकार है परन्तु सैटलमेन्ट मे जीवन पुत्र पेमा 1/2 हिस्सा दर्ज किया लेकिन उसकी जाति दरोगा सहवन से अंकित नही की ! जीवन के प्रतिवादी स0 1 व 2 जायन्दा वारीस है जीवन की पत्नी गुलाबदेवी एंव पुत्री लक्ष्मीदेवी का स्वर्गवास हो चुका है वादीगण स्व0 लक्ष्मी के पुत्र है इसलिए जीवन पुत्र पेमा के आगे जाति दरोगा दर्ज किये जाने व खातेदारी प्रतिवादी स0 1 व 2 के नाम दर्ज किये जाने का आदेश प्रदान करने की कृपा करे !

यहकि मान्य न्यायालय द्वारा प्रशासन गांवो के संग अभियान कैम्प डेहरा मे दिनांक 29.12.2010 को प्रकरण का निस्तारण करते हुए वाद प्रतिवादी स0 1 व 2 के हक मे डिक्री कर दिया गया जो बमुकाबले वादीगण निम्न आधारो पर बातिल बेअसर एंव शून्य है :–

– यहकि उक्त वाद मे ना तो वादीगण पक्षकार मुकदमा कायम किये गये ना ही उन्हे सुनवाई का अवसर दिया गया !

यहकि उक्त वाद मे कायम प्रतिवादी स0 1 राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार फुलेरा की तामिल ही नही हुई बिना तामिल ही मान्य न्यायालय ने वाद डिक्री कर महत्ती कानूनी भूल की है अन्यथा विवादीत आराजी की सही वस्तु स्थिती मान्य न्यायालय के समक्ष आ जाती !

– यहकि प्रतिवादी स0 2 मालीराम द्वारा प्रस्तुत ईकबालीया जवाब के समर्थन मे कोई शपथपत्र पेश नही किया गया है ! ऑदेश 6 नियम 15 जा0 दी0 के तहत अभिवचन को सत्यापित करने वाले व्यक्ति को अपने अभिवचन के समर्थन मे शपथपत्र पेश किया जाना आवश्यक है जिसके अभाव मे पारित डिक्री विधी विरूद्व है !

द– यहकि मान्य न्यायालय ने वादीगण द्वारा साक्ष्य मे प्रस्तुत शपथपत्र एंव गवाहान के शपथपत्रो की सही विवेचना नही की है ! वादीगण कल्याणसिंह व गोपालसिंह तथा गवाहान मदनलाल व मालीराम के शपथपत्र सक्षम अधिकारी से विधीवत तस्दीक नही है एंव ना ही मान्य न्यायालय के समक्ष सत्यापित किये गये है इसलिए साक्ष्य मे पढे जाने योग्य नही है बावजूद इसके मान्य न्यायालय ने शपथपत्रो को साक्ष्य मे पढ कर कानूनी भूल की है !

ड– यहकि मान्य न्यायालय ने फोटो कॉपी दस्तावेजात को साक्ष्य मे ग्राह्य मान कर महत्ती कानूनी भूल की जो साक्ष्य अधिनीयम के प्रावधानो के सरासर विपरीत है !उक्त फोटो कॉपी दस्तावेज द्वितीयक साक्ष्य की तारीफ मे आते है जिनका ना तो मूल से मिलान किया गया है ना ही मूल दस्तावेजात को पत्रावली पर लिया गया है बावजूद इसके इनको साक्ष्य मे ग्राह्य मानकर डिकी पारीत करना विधी विरूद्व है !

– यहकि पत्रावली पर उपलब्ध विवादीत आराजी की जमाबन्दी मे जीवण पुत्र पेमा हि0 1/2 गगंल्या मनस्या हि0 1/2 कौम बलाई सा0 देह स्पष्ट अंकित है दोनो खातेदारान की जाति बलाई अंकित की गई है ! साथ ही पत्रावली पर जीवण पुत्र पेमा जाति दरोगा नाम का कोई व्यक्ति कभी ग्राम जूनस्या मे रहा हो इस बाबत कोई दस्तावेजी साक्ष्य न होने के बावजूद मान्य न्यायालय ने वाद डिकी करने मे कानूनी भूल की है !

यहकि किसी भी पत्रावली का निस्तारण प्रशासन गांवो के संग अभियान मे करने हेतू न्यायालय को विधी मे शिथीलता प्रदान करने का अधिकार नही दिया गया है ! प्रकरण मे विधीक प्रावधानो की पालना न कर मान्य न्यायालय ने महत्ती कानूनी भूल की है इसलिए वादीगण उक्त डिकी से कतई पाबन्द नही है !

यहकि प्रतिवादीगण ने आपस मे साज कर मान्य न्यायालय को मुगालता कर उक्त डिकी पारीत करवाई है ! तहसीलदार तहसील फुलेरा द्वारा वादीत आराजी के सम्बन्ध मे धारा 183 बी0 रा0टी0एक्ट के तहत की गई कार्यवाही की जानकारी प्रतिवादीगण को शुरू से रही है उक्त कार्यवाही मे स्वयं प्रतिवादी स0 14 मालीराम भी पक्षकार रहा है लेकिन उक्त तथ्यो को जानबूझकर छिपाते हूये झुठे तथ्यो पर ईकबालिया जवाब व शपथपत्र पेश न्यायालय को मुगालता दिया है इसलिए डिकी विधी विरूद्व है !

यहकि विवादीत आराजी पर प्रतिवादी स0 1 व 2 का कभी कोई कब्जा काश्त नही रहा ना ही उनके बुजूर्गो का कब्जा काश्त नही रहा यहा तक प्रतिवादी स0 1 व 2 के बुजूर्ग कभी भी ग्राम जूनस्या मे नही रहे बावजूद इसके बिना किसी आधार पर कब्जा काश्त मानकर डिकी पारीत कानूनी भूल की है !

यहकि प्रतिवादी स0 1 व 2 एंव इनके बुजूर्ग कभी ग्राम जूनस्या मे नही रहे इसलिए इनका विवादीत आराजी से कोई सम्बन्ध सरोकार नही है इनका विवादीत आराजी पर कभी कोई कब्जा काश्त नही रहा ! विवादीत आराजी पर वादीगण स0 1 ल0 3 के पिता, वादीगण स0 4 के ससूर व वादीगण स0 5 ल0 9 के दादा जीवण पुत्र पेमा उर्फ पूरा का परचा सैटलमेन्ट के समय से ही कब्जा काश्त चला आ रहा था इसलिए परचा खातेदारी भी इसी के नाम जारी की गई तथा 1/2 हिस्से पर प्रतिवादी स0 14 के पिता गगंल्या उर्फ गंगाराम का कब्जा काश्त था इसलिए परचा खातेदारी 1/2 हिस्से की जीवण पुत्र पेमा व 1/2 हिस्से की प्रतिवादी स0 14 के पिता गगंल्या उर्फ गंगाराम के नाम जारी की गई ! तब से विवादीत आराजी पर जीवण पुत्र पेमा उर्फ पूरा व वादीगण का ही कब्जा काश्त चला आ रहा था

लेकिन अरसा करीब 10 साल पूर्व वर्ष 2002 मे जबर
र अतिक्रमण कर कब्जा कर लिया है एंव जबरन वादीगण
र दिया है !

यहकि दिनाक 17.01.2012 को वादी स0 1 भागीरथ ने पटवार हल्का से विवादीत आराजी की जमाबन्दी की नकल लेने से खातेदारी प्रतिवादी स0 1 व 2 के नाम दर्ज होने की जानकारी मिली तत्पश्चात दिंनाक 3.02.12 को वाद स0 151/10 की पत्रावली की नकल लेने पर सम्पूर्ण तथ्यो की जानकारी हूई ! वादीगण ने दिंनाक 5.02.2012 को प्रतिवादी स0 3 ल0 13 से विवादीत आराजी का कब्जा वादीगण को सम्भलाये जाने का निवेदन किया तो प्रतिवादीगण ने कब्जा छोडने से इंकार कर दिया एंव वादीगण को जान से मारने की धमकी दी इसलिए वाद विरूद्व प्रतिवादीगण पेश करना आवश्यक हूवा है !

– यहकि प्रतिवादीगण स0 1 व 2 का विवादीत आराजी पर ना तो कोई कब्जा काश्त है ना ही कोई सम्बन्ध सरोकार है ! प्रतिवादीगण स0 3 ल0 13 विवादीत आराजी पर बहैसियत अतिकमी काबिज है ! प्रतिवादीगण स0 1 ल0 14 ने आपसी साज कर झुठे तथ्यो पर वाद दायर कर विवादीत आराजी प्रतिवादी स0 1 व 2 के नाम करवाई है इसलिए वादीगण की ओर से वाद बाबत घोषणा खातेदारी, तकासमा, दिलवाये जाने कब्जा, व स्थायी निषे0 विरूद्व प्रतिवादीगण पेश किया जाना आवश्यक हूवा है !

12– यहकि वादकारण बहक वादीगण विरूद्व प्रतिवादीगण यौम दिंनाक 17.01.2012 को वादी स0 1 भागीरथ द्वारा पटवार हल्का से विवादीत आराजी की जमाबन्दी की नकल लेने से खातेदारी प्रतिवादी स0 1 व 2 के नाम दर्ज होने की जानकारी मिलने तत्पश्चात दिंनाक 3.02.12 को वाद स0 151/10 की पत्रावली की नकल लेने पर सम्पूर्ण तथ्यो की जानकारी होने एंव वादीगण द्वारा दिंनाक 5.02.2012 को प्रतिवादी स0 3 ल0 13 से विवादीत आराजी का कब्जा वादीगण को सम्भलाये जाने का निवेदन करने एंव प्रतिवादीगण ने कब्जा छोड़ने से इंकार करने पर वाकै ग्राम जूनस्या उत्पन्न हूवा दावा अन्दर मियाद है एंव काबिल समाअत अदालत वाला है !

13– यहकि बगरज अदाय कोर्टफीस बाबत घोषणा खातेदारी, तकासमा, दिलवाये जाने कब्जा, व स्थायी निषे0 अन्तर्गत धारा 53, 88, 91, 183 व 188 रा0 टी0 एक्ट के तृतीय परिशिष्ट अनुसार 5/रू के न्याय शूल्क पर पेश है जो पर्याप्त है !

14– यहकि विवादीत आराजी के तकासमा बाबत वाद प्रस्तूत किया गया है जिसकी लैण्ड हॉल्डर राज0 सरकार होने से तहसीलदार तह0 फूलेरा क पक्षकार मुकदमा कायम किया गया है !

15– यह कि विवादीत आराजी वाकै ग्राम जूनस्या गिरदावर हल्का रेनवा तह0 फूलेरा मे स्थित है ! इसलिए मान्य न्यायालय को वाद श्रवण बाब श्रवणाधिकार /क्षैत्राधिकार प्राप्त है !

6– यहकि वादीगण प्रार्थी है कि :–

1– यहकि वादपत्र वहक वादीगण विरुद्ध प्रतिवादीगण डिक्री किया जाकर आराजी ख0 न0 524 रकबा 29 बीघा 07 बिस्वा बारानी 2 हिस्सा 1/2 वाकै ग्राम जूनस्या तहसील फुलेरा जिला जयपुर राजस्थान मे प्रतिवादीगण स0 1 व 2 के नाम दर्ज खातेदारी को हजफ फरमाकर वादीगण को विवादीत आराजी का खातेदार काश्तकार घोषित किया जावे !

2– यहकि विवादीत आराजी से प्रतिवादीगण को बेदखल फरमाकर कब्जा वादीगण को दिलवाया जावे साथ ही वादीगण को दोषपूर्ण तरिके से जबरन बेदखल करने व बतौर अतिक्रमी विवादीत आराजी पर काबिज रहने व काश्त कर उपयोग उपभोग करने हेतू प्रतिवादीगण से मुआवजा वादीगण को दिलवाया जावे जब तक कि प्रतिवादीगण कब्जा वादीगण को ना सम्भला दे !

3– यहकि वाद प्रारम्भीक डिक्री कर विवादीत आराजी का तकासमा किया जाकर वादीगण का 1/2 हिस्सा अलहदा किया जाकर लगान की फाटबन्दी की जावे व नक्शे कुरेजात मंगवाये जाकर वाद अन्तिम डिक्री किया जावे !

4– यहकि प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषे0 पाबन्ध फरमाया जावे कि वे विवादीत आराजी मे वादीगण के 1/2 हिस्से के कब्जे काश्त उपयोग उपभोग मे मजाहमत न करे बेचान न करे ,बिना विभाजन आराजी की किश्म परिवर्तन नही करे, कोई रास्ता ग्रैवल रोड़ कायम नही करे ना ही कोई निर्माण करे एंव विवादीत आराजी की मौके की यथारिथती बनाये रखे ! ऐसा ना तो स्वयं करे ना ही अपने किसी एजेन्ट सर्वेन्ट से करावे !

5– यहकि खर्चा मुकदमा व दिगर दादरसी जो मुफिद वादीगण हो अता फरमाई जावे !

वादीगण

नि. आशादेवी
विजेन्द्र सीता देवी कृष्णा देवी मीना छिगनलाल
Ramdhan नि. धापूदेवी नि. कोडीदेवी

सत्यापन

मै छीगनलाल पुत्र जीवण आयु– 60 साल जाति– बलाई नि0–लालासर तह0–फूलेरा, जिला–जयपुर राज0 आज दिनांक 15/02/12 को बमुकाम सॉभर लेक सत्यापित करता हूँ कि वादपत्र की चरण स0 1 ल0 11 मेरे निजी ज्ञान व विश्वास मे सही है एंव चरण स0 12, 13, 14, 15 कानूनी है एंव चरण स0 16प्रार्थना है जिनके सही होने का मुझे पूर्ण विश्वास है !

छिगनलाल

# फर्द अहकाम

छिगन लाल बनाम मल्लाराम सिंह

: 24/22 /20

संख्या /वर्ष

| दिनांक आज्ञा व कार्यवाही | आज्ञा विस्तृत रुप से | विशेष विवरण |
|---|---|---|
| 13/11/24 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित है। पक्षकारान वकील उप. है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 20/11/24 को पेश है। (हस्ताक्षर) | |
| 20/11/24 | पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण प्रतिवादीगण उपस्थित। एस.डी.ओ. साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। भ्रमण पर है। मिसल गत आदेशानुसार। दिनांक....4/12/24....को पेश हो। | |
| 4/12/24 | पत्रावली पेश हुई। कोई पक्ष उप. नहीं है। आज न्यायालय में पक्षों की उपस्थिति हेतु तीन-चार आवाज लगाई गई फिर भी कोई उपस्थित नहीं हुआ। अतः पत्रावली O-9, R-3 के तहत अदम पैरवी, अदम हाजिरी में खारिज फरमायी जाती है और पत्रावली फैसल शुमार होकर दफ्तर दाखिल हो दर्ज नम्बर से कम हो। (हस्ताक्षर) | |

उपखण्ड अधिकारी
किशनगढ़ रेनवाल